विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -21-05-2020

विषय -हिन्दी शिक्षक -पंकज सर

सुप्रभात बच्चों मुझे कविता इस लिए भेजना हुआ क्योंकि सभी लोगों के पास नवीन किताब नहीं होगी इस लिए कविता अध्ययन में दे रहा हूँ ताकि सभी लोग कविता पढ़े और याद करे।

पथ मेरा आलोकित कर दो कविता

पाठ -1 (कविता) का अध्ययन करेंगे।

पथ मेरा आलोकित कर दो

नवल प्रातः की नवल रश्मियों से

मेरे उर का ताम हर दो

मैं नन्हा - सा पथिक विश्व के

पथ पर चलना सीख रहा हूँ

मैं नन्हा -सा विहग विश्व के

नभ में उड़ना सिख रहा हूँ

पहुंच सकूँ निर्दिष्ट लक्ष्य तक

मुझको ऐसे पग दो,पर दो।।

पाया जग से जितना अब तक

और अभी जितना मैं पाऊं

मनोकामना है यह मेरी

उससे कहीं अधिक दे जाऊं।

धरती को ही स्वर्ग बनाने का

मुझको मंगलमय वर दो ।।

लेखक - द्वारिका प्रसाद महेश्वरी